CBSE Class 06 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-10 झांसी की रानी

1.1 'किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई' इस पंक्ति में किस घटना की ओर संकेत है?
उत्तर:- इस पंक्ति में झाँसी के राजा और रानी लक्ष्मीबाई के पति गंगाधर राव की आकस्मिक मृत्यु और रानी के विधवा होने से सारी खुशियों के शोक में बदलने की ओर संकेत किया गया है।

1.2 'किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई' काली घटा घिरने की बात क्यों कही गई है?
उत्तर:- इस पंक्ति का प्रयोग कवयित्री ' सुभद्रा कुमारी चौहान ' ने इस सन्दर्भ में किया है कि जिस प्रकार काली घटाएँ घिरकर सूर्य को ढक लेती हैं और उससे प्रकाश की कमी हो जाती है, वैसे ही रानी लक्ष्मीबाई के पति गंगाधर राव की आकस्मिक मृत्यु हो जाने के कारण रानी के जीवन में खुशियों की कमी हो गई और दुःख के काले बादल उमड़ने लगे ।राजा की मृत्यु के कारण रानी असमय विधवा हो गई और साथ ही राजा की अपनी संतान न होने के कारण अंग्रेज़ों को झाँसी पर कब्ज़ा करने का मौका मिल गया था।

2. कविता की दूसरी पंक्ति में भारत को 'बूढा' कहकर और उसमें 'नई जवानी' आने की बात कहकर सुभद्रा कुमारी चौहान क्या बताना चाहती हैं?
उत्तर:- हमारे भारतवर्ष के गुलाम होने के कारण एक तरह से चारों ओर मायूसी वाला वातावरण बन गया था। भारतीय वीरों का साहस कमज़ोर हो गया था। सभी अपने को असहाय महसूस करने लगे थे। ऐसा लगता था मानो सारा देश ही 'बूढ़ा' हो गया है परन्तु ऐसे बोझिल वातावरण में झाँसी की रानी के आने से देश में एक नए उमंग का वातावरण बन गया मानो एक 'नई जवानी' का संचार हो गया हो अर्थात लोगों में संघर्ष की नई भावना जागृत हुई। एक बार लोग पुन: स्वतंत्रता प्राप्ति की ओर प्रयत्न करने लगे। यही बात सुभद्राकुमारी चौहान उपर्युक्त पंक्ति द्वारा बताना चाहती है।

3. झाँसी की रानी के जीवन की कहानी अपने शब्दों में लिखो और यह भी बताओ कि उनका बचपन तुम्हारे बचपन से कैसे अलग था?
उत्तर:- झाँसी की रानी का नाम लक्ष्मीबाई था। बचपन में उन्हें सब 'छबीली' नाम से पुकारा करते थे। वे अपने पिता की एकलौती संतान थी। वह कानपुर के नाना साहेब की मुँहबोली बहन थी। लक्ष्मीबाई बचपन से ही वीर और साहसी थी। लक्ष्मीबाई का विवाह झाँसी के राजा गंगाधर राव से हुआ परन्तु राजा की आकस्मिक मृत्यु से रानी के ऊपर संकटों के बादल मंडराने लगे। अँग्रेज सरकार राजा की नि:संतानता का लाभ उठाकर झाँसी पर कब्ज़ा करना चाहते थे परन्तु रानी ने इसका पुरज़ोर विरोध किया और अंग्रेज़ों को कड़ी टक्कर दी।
लक्ष्मीबाई का बचपन अन्य बच्चों से भिन्न था। उनकी उम्र के बच्चे खिलौनों से खेलते थे परन्तु उनके खिलौने बरछी, ढाल, कृपाण

जैसे हथियार थे। वह बचपन से ही नकली युद्ध का खेल, शिकार करना, दुश्मनों के लिए चक्रव्यूह की रचना करना आदि युद्ध से संबंधित खेल ही खेला करती थी।
इस प्रकार उनका बचपन हम बच्चों से भिन्न था।हम बच्चे हथियारों से नहीं बल्कि विडियो गेम्स , कंप्यूटर , सैल या बिजलीवाले खिलौनों से ज़्यादा खेलते हैं ।

4. वीर महिला की इस कहानी में कौन-कौन से पुरुषों के नाम आए हैं?
उत्तर:- इस कहानी में वीर शिवाजी, नाना धुंधूपंत, पेशवा, तांत्या टोपे , अजीमुल्ला, अहमद शाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह, सैनिक अभिराम आदि अनेक वीर पुरुषों के नाम आए हैं।

5. कविता में किस दौर की बात है? कविता से उस समय के माहौल के बारे में क्या पता चलता है?
उत्तर:- कविता में स्वाधीनता संग्राम के प्रथम दौर की बात है।
कविता से उस समय के माहौल के बारे में यह पता चलता है कि अंग्रेजों ने धीरे-धीरे से अपना साम्राज्य हमारे देश में फैला लिया था। उस समय भी हमारे देश में स्वतंत्र होने की भावना के बीज फूटे ज़रूर थे परन्तु संघटन का अभाव, राजाओं की स्वार्थ प्रवृत्ति, आपसी फूट आदि के कारण हमारा आंदोलन सफल न हो पाया। ऐसे विषम वातावरण में भी झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई और कुछ अन्य वीरों ने स्वतंत्रता की चिंगारी को सुलगाने का अभूतपूर्व प्रयास किया।

6. सुभद्रा कुमारी चौहान लक्ष्मीबाई को 'मर्दानी' क्यों कहती हैं?
उत्तर:- झाँसी की रानी के एक महिला होते हुए भी उनमें पुरुषोचित गुण साहस, वीरता, युद्ध कला में निपुणता निडरता आदि गुण विद्यमान थे। उन्होंने युद्ध भूमि में अंग्रेजों के दाँत खट्टे कर दिए थे ;उनकी वीरता का लोहा भारतवासियों के साथ अंग्रेज़ों ने भी माना था इसलिए कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लक्ष्मीबाई के इसी अभूतपूर्व साहस, शौर्य तथा वीरता का परिचय कराने के लिए 'मर्दानी 'शब्द का प्रयोग किया है।

7. 'बरछी', 'कृपाण', 'कटारी' उस ज़माने के हथियार थे।
आजकल प्रयोग में लाए जाने वाले हथियारों के नाम लिखो।
उत्तर:- आजकल तकनीकी क्षमता से सुसज्जित अत्यानुधिक हथियार जैसे बंदूकें, टैंक, तोप, मिसाइल, बम पनडुब्बी, हवाई जहाज़ , समुद्री जहाज़ , परमाणु अस्त्र आदि का प्रयोग किया जाता है।

8. लक्ष्मीबाई के समय में ज्यादा लड़कियाँ 'वीरांगना' नहीं हुई क्योंकि लड़ना उनका काम नहीं माना जाता था। भारतीय सेना में अब क्या स्थिति है? पता करो।
उत्तर:- आज हमारी भारतीय सेना के तीनों सैन्य दल- जल, थल और वायु सेना में हमें लड़कियाँ दिखाई देती हैं । आज वे इन सेनाओं के उच्च पदों पर कार्यरत हैं। इस सबके बावजूद अभी भी सेना में लड़कियों की संख्या बहुत कम है हालाँकि ये ' वीरांगनाएँ' वीरतापूर्वक देश की सेवा कर रही हैं ।